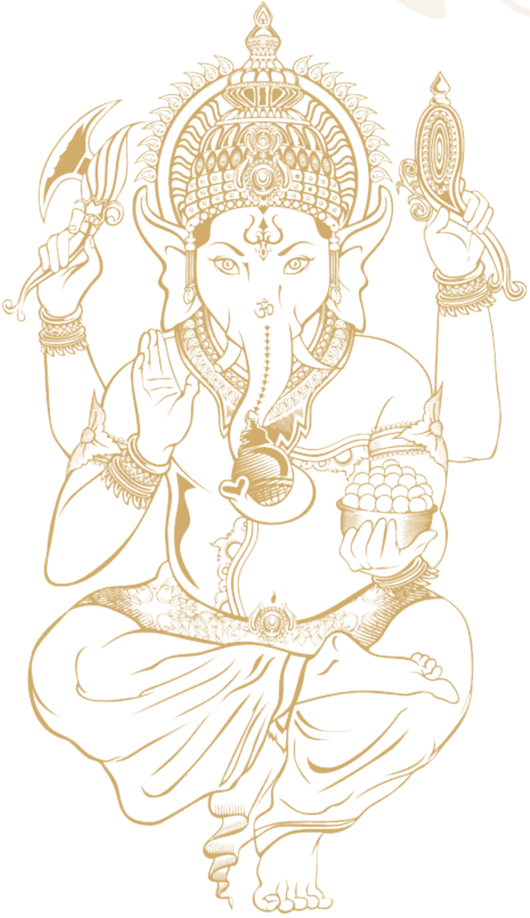

Gajananwarudkar

21 Jun 1984

11:35 AM

Jintur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121629902

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 21/06/1984**
दिवस	: गुरुवार
जन्म समय	**: 11:35:00 कला**
इष्ट	: 14:33:06 घटी
स्थान	**: Jintur**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 19:38:00 उत्तर
रेखांश	: 76:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:23:20 कला
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
स्थानिक वेल	: 11:11:40 कला
वेलान्तर	: -00:01:43 कला
साम्पातिक वेल	: 05:10:10 कला
सूर्योदय	: 05:45:45 कला
सूर्यास्त	: 19:04:26 कला
दिनमान	: 13:18:41 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्याचे अंश	: 06:24:21 मिथुन
लग्नाचे अंश	: 24:37:05 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	: सिंह – रवि
राशि–स्वामी	**: मीन – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**: उ.भाद्रपद – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: सौभाग्य
करण	: बालव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: दू–दुर्जय
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:37:05	339:20:36	पू.फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	–––
सूर्य			मिथु	06:24:21	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगळ	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मीन	04:05:38	11:52:53	उ.भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगळ			तुला	18:04:41	00:01:12	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध		अ	मिथु	04:07:09	02:11:29	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगळ	शुक्र	स्वगृही
गुरु	व		धनु	15:30:34	00:07:29	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वगृही
शुक्र		अ	मिथु	07:51:46	01:13:43	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		तुला	16:27:14	00:02:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	12:42:09	00:00:19	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	12:42:09	00:00:19	अनुराधा	3	17	मंगळ	शनि	मंगळ	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	17:09:09	00:02:17	ज्येष्ठा	1	18	मंगळ	बुध	बुध	–––
नेप	व		धनु	06:24:46	00:01:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	–––
प्लूटो	व		तुला	05:46:13	00:00:36	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगळ	चंद्र	–––
दशम भाव			वृष	24:54:11	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगळ	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

लाहिरी अयनांश : 23:38:09

लग्न–चलित

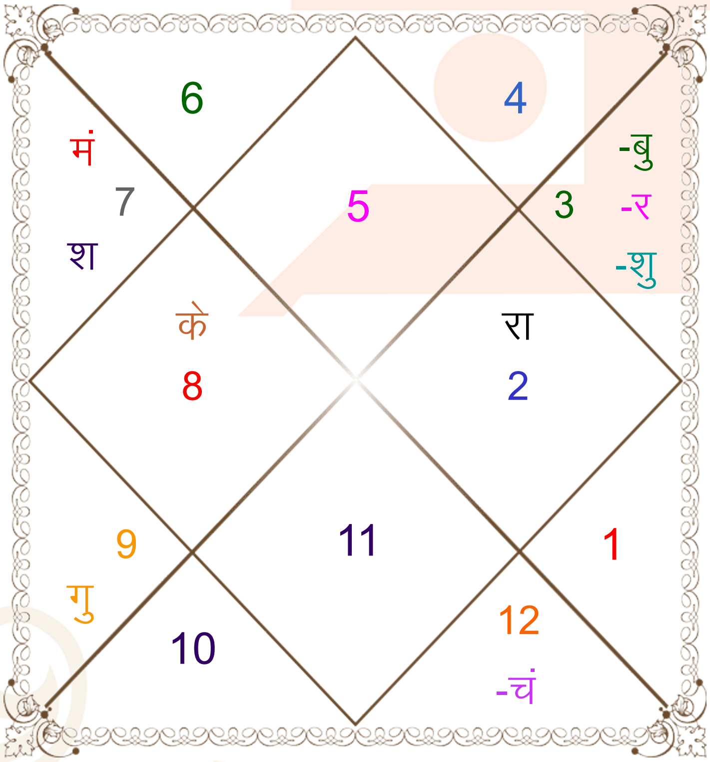

चन्द्र कुंडली

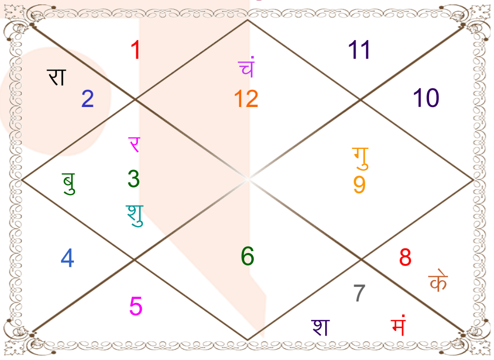

नवमांश कुंडली

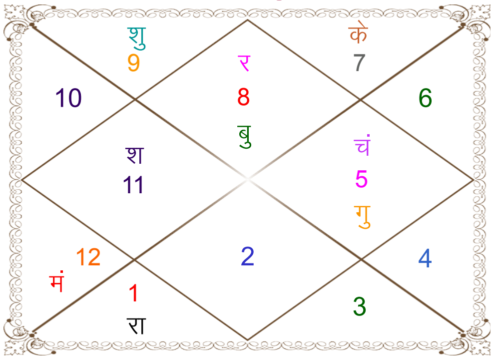

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : शनि 17 वर्ष 10 महिना 30 दिवस

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/06/1984		22/05/2002		22/05/2019		22/05/2026		22/05/2046	
22/05/2002		22/05/2019		22/05/2026		22/05/2046		21/05/2052	
शनि	25/05/1986	बुध	18/10/2004	केतु	18/10/2019	शुक्र	20/09/2029	सूर्य	09/09/2046
बुध	01/02/1989	केतु	15/10/2005	शुक्र	17/12/2020	सूर्य	21/09/2030	चंद्र	10/03/2047
केतु	13/03/1990	शुक्र	15/08/2008	सूर्य	24/04/2021	चंद्र	21/05/2032	मंगळ	16/07/2047
शुक्र	13/05/1993	सूर्य	21/06/2009	चंद्र	23/11/2021	मंगळ	22/07/2033	राहु	09/06/2048
सूर्य	25/04/1994	चंद्र	21/11/2010	मंगळ	22/04/2022	राहु	21/07/2036	गुरु	28/03/2049
चंद्र	24/11/1995	मंगळ	18/11/2011	राहु	10/05/2023	गुरु	22/03/2039	शनि	10/03/2050
मंगळ	02/01/1997	राहु	06/06/2014	गुरु	15/04/2024	शनि	22/05/2042	बुध	14/01/2051
राहु	09/11/1999	गुरु	11/09/2016	शनि	25/05/2025	बुध	22/03/2045	केतु	22/05/2051
गुरु	22/05/2002	शनि	22/05/2019	बुध	22/05/2026	केतु	22/05/2046	शुक्र	21/05/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/05/2052		22/05/2062		22/05/2069		22/05/2087		23/05/2103	
22/05/2062		22/05/2069		22/05/2087		23/05/2103		00/00/0000	
चंद्र	22/03/2053	मंगळ	18/10/2062	राहु	02/02/2072	गुरु	09/07/2089	शनि	22/06/2104
मंगळ	21/10/2053	राहु	06/11/2063	गुरु	27/06/2074	शनि	21/01/2092		00/00/0000
राहु	22/04/2055	गुरु	11/10/2064	शनि	03/05/2077	बुध	28/04/2094		00/00/0000
गुरु	21/08/2056	शनि	20/11/2065	बुध	21/11/2079	केतु	03/04/2095		00/00/0000
शनि	22/03/2058	बुध	18/11/2066	केतु	08/12/2080	शुक्र	02/12/2097		00/00/0000
बुध	22/08/2059	केतु	16/04/2067	शुक्र	09/12/2083	सूर्य	21/09/2098		00/00/0000
केतु	22/03/2060	शुक्र	15/06/2068	सूर्य	02/11/2084	चंद्र	21/01/2100		00/00/0000
शुक्र	20/11/2061	सूर्य	21/10/2068	चंद्र	04/05/2086	मंगळ	28/12/2100		00/00/0000
सूर्य	22/05/2062	चंद्र	22/05/2069	मंगळ	22/05/2087	राहु	23/05/2103		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 10 मा 29 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विघ्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।